University in News on 12 September 2024

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

खेल और सांस्कृतिक रंगों से गुलजार हुआ लविवि

लखनऊ विवि में दीक्षांत सप्ताह के दूसरे दिन हुईं कई प्रतियोगिताएं

संवाद न्यूज एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में दीक्षांत सप्ताह के क्रम में बुधवार को कई प्रतियोगिताएं हुईं। इसमें विद्यार्थियों ने खेल लेकर सांस्कृतिक गतिविधियों तक में अपनी प्रतिभा दिखाई। लविवि में 16 सितंबर को दीक्षांत समारोह प्रस्तावित है, ऐसे में विवि में अंतर छात्रावास व विभाग स्तर पर कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है।

प्री कन्वोकेशन वीक के दूसरे दिन शिवाजी ग्राउंड में हुए वॉलीबॉल मुकाबलों में 150 से अधिक विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। महमूदाबाद, हबीबुल्लाह, होमी जहांगीर, कौटिल्य प्रथम एवं द्वितीय हॉस्टल के छात्र शामिल रहे। महासचिव डॉ. अजय आर्या ने बताया कि अंत में महमूदाबाद छात्रावास ने जीत दर्ज की। दर्शनशास्त्र विभाग में हुए विशेष व्याख्यान में पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो. राकेश चंद्रा ने भारत की शिक्षा व्यवस्था में

दीक्षांत सप्ताह के तहत खो-खो और पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में भाग लेतीं छात्राएं। संवाद

लोकतंत्र एवं दर्शनशास्त्र के महत्त्व को समझाया। डॉ. रजनी श्रीवास्तव, डॉ. प्रशांत व राजेंद्र वर्मा मौजूद रहे।

व्यावहारिक अर्थशास्त्र विभाग में लिंग समानता पर आधारित रंगोली प्रतियोगिता हुई। हैप्पी थिंकिंग लेबोरेटरी की तरफ से स्वामी विवेकानंद के शिकागो भाषण पर व्याख्यान प्रतियोगिता हुई। भू-विज्ञान विभाग में वाद विवाद, पोस्टर, प्रश्नोत्तरी, रंगोली जैसी प्रतियोगिताएं हुईं। डॉ. विनीत, डॉ. मनोज व छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। वाणिज्य विभाग में मेहंदी, रंगोली और खो-खो प्रतियोगिता में 137 विद्यार्थियों ने उपस्थिति दर्ज कराई। परांजपे ग्राउंड में हुई खोखो में खिलाड़ियों ने गजब का उत्साह दिखाया। विभागाध्यक्ष प्रो. राममिलन आदि मौजूद रहे।

सीखीं फोटोग्राफी की बारीकियां

लखनऊ। कॉलेज ऑफ आर्ट फोटोग्राफिक सोसाइटी की ओर से बुधवार को छात्रों और फोटोग्राफी के शौकीनों के लिए कला एवं शिल्प महाविद्यालय में स्टूडियो लाइट वर्कशॉप का आयोजन किया गया। दिल्ली से आए विशेषज्ञ शायंतन दत्ता व फोटोग्राफी विभाग के शिक्षक अतुल हुंडू ने छात्रों को फोटोग्राफी में लाइट कंट्रोल के बारे में बताया। सिनेमेटोग्राफी करते वक्त स्टेबल शॉट्स लेने के तरीके भी सिखाए। छात्रों ने इन विशेषज्ञों के निर्देशन में थ्री पॉइंट लाइट सेटअप में तस्वीरें भी उतारी, साथ ही तस्वीरों में कई तरह के प्रभाव पैदा करने के बारे में भी जाना। उद्घाटन प्राचार्य रतन कुमार ने किया। कार्यक्रम में एलयू, एमिटी यूनिवर्सिटी व अन्य कॉलेजों से आए बड़ी संख्या में छात्रों समेत शिक्षक अलोक कुमार, रविकांत पांडेय, धर्मेंद्र सिंह आदि ने हिस्सा लिया।

शायंतन दत्ता। संवाद

HINDUSTAN PAGE 8

लविवि : प्रोत्साहन व उद्दीपन पुरस्कार के नामों की घोषणा

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय ने उद्दीपन, प्रोत्साहन और एक्लेम पुरस्कार पाने वाले शिक्षकों के नामों की घोषणा बुधवार को कर दी। दीक्षांत सप्ताह के अंतर्गत होने वाले कार्यक्रम में कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय इन शिक्षकों को सम्मानित करेंगे। चयनित शिक्षकों की सूची विवि की वेबसाइट पर अपलोड की गई है।

प्रवक्ता प्रो. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि 2022-23 एक्लेम अवॉर्ड के लिए हिंदी एवं आधुनिक भारतीय भाषा विभाग के प्रो. पवन अग्रवाल, प्रो. श्रुति और प्राणिशास्त्र विभाग की डॉ. आकांक्षा शर्मा का नाम शामिल है। प्रोत्साहन पुरस्कार के लिए प्रथम श्रेणी में भौतिक विज्ञान के डॉ. पुनीत कुमार और रसायन विज्ञान विभाग के डॉ. नीरज मिश्रा हैं। द्वितीय श्रेणी में वनस्पति विज्ञान की डॉ. सुषमा मिश्रा, डॉ. आदित्य आभा सिंह, डॉ. विकास कुमार, डॉ. प्रदीप कुमार, डॉ. सुरभि खरवार, सांख्यिकी से डॉ. शांभवी मिश्रा, प्राणिशास्त्र से डॉ. राजेश खरवार, भौतिक विज्ञान से डॉ. पुनीत और गणित एवं खगोलशास्त्र से डॉ. अलका मिश्रा का नाम शामिल है। (संवाद)

एलयू में दीक्षांत को बन रहा भव्य पंडाल

लखनऊ, संवाददाता। लखनऊ विश्वविद्यालय में 16 सितंबर को होने वाले 67वें दीक्षांत समारोह के मद्देनजर तैयारियां शुरू हो गई हैं। कला प्रांगण में भव्य पंडाल बनाया जा रहा है। एक हजार से 1500 लोगों के बैठने की व्यवस्था है। मेधावी विद्यार्थियों, उपाधि धारकों और विशिष्ट अतिथियों के लिए विशेष इंतजाम हैं। स्टेज को आकर्षक और सुंदर दिखाने के लिए अलग से निखारा जा रहा है।

इसके अलावा दीक्षांत सप्ताह के तहत वाणिज्य विभाग, रसायन विज्ञान विभाग, ललित कला, दर्शन शास्त्र विभाग समेत कई विभागों में कार्यक्रम, प्रतियोगिताएं और सांस्कृतिक व खेलोत्सव का आयोजन हुआ।

वाणिज्य विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. राम मिलन ने बताया कि एक छात्रा ने ट्रिपल क्राउन लोगो की रंगोली बनाई। जिसे सभी ने खूब सराहा। मेहंदी, रंगोली और खो खो प्रतियोगिता हुई।

वहीं खेल उत्सव के दूसरे दिन वॉलीबॉल खेल प्रतियोगिता कई टीमों के बीच हुई। भूविज्ञान विभाग में कई शैक्षणिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों में वाद-विवाद, पोस्टर प्रस्तुति, प्रश्नोत्तरी और रंगोली प्रतियोगिता हुई। एप्लाइड इकोनॉमिक्स विभाग ने लिंग समानता विषय पर रंगोली प्रतियोगिता रखी। दर्शनशास्त्र, रसायन विज्ञान विभाग की ओर से भी आयोजन हुए।

एलयू दीक्षांत सप्ताह में कला एवं शिल्प महाविद्यालय में स्टूडियो लाइट वर्कशॉप हुई।

i-NEXT PAGE 4

पढ़ाई में एलयू शानदार तो खेल में भी है दमदार

लखनऊ यूनिवर्सिटी के दीक्षा सप्ताह का उद्घाटन सत्र

LUCKNOW (11 SEP): एलयू के मालवीय सभागार में दीक्षा सप्ताह के उद्घाटन सत्र में गीत और संगीत की बयार बही. सरस्वती वंदना से राहुल चौधरी ने शुरुआत की. गुलशन पांडे ने संस्कृत में गीत पेश किया. विदेशी छात्र खवान सान ने मायानमार नृत्य किया. कार्तिकेय के एकल गीत को दर्शकों ने खूब पसंद किया.

डांस से माहौल बदला

प्रियम यादव ने शास्त्रीय नृत्य से माहौल को बदला. हितेश के साथ गिटार पर अदिति सिंह ने पहाड़ी लोकगीत सुनाया तो सभी झूमने लगे. अदिति सिंह ने भोजपुरी गीत से विदाई के दृश्य को रखा तो सभी भावविभोर हो गए. स्वामी विवेकानंद की वेशभूषा में सच्चिदानंद ने 1893 में इसी दिन शिकागो में विश्व धर्म संसद में दिए गए स्वामीजी के भाषण को दोहराया. जिसमां आदर्श के अक्षय अवस्थी द्वारा शास्त्रीय गायन ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया. मुख्य अतिथि भातखंडे संस्कृति विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. मांडवी सिंह ने छात्रों को पुरस्कृत किया.

युवाओं को किया प्रेरित

विश्वविद्यालय के समान कार्य विभाग में उन्मुखीकरण और दीक्षा सप्ताह के चौथे दिन कई जानकीय सत्र आयोजित किए गए. सत्रों में बलबीर सिंह ने स्टीट चिल्ड्रन के मुद्दों पर, संदीप खरे ने शहरी गरीबी और किशोरियों की समस्याओं और प्रो. मधुरिमा प्रधान ने खुशी व मानसिक स्वास्थ्य के महत्व पर चर्चा की.

PIC: DAINIK JAGRAN-I NEXT

वालीबाल में छाया हास्टल

शिवाजी ग्राउंड में छात्रावासों के वालीबाल का मुकाबला रहा. महमूदाबाद हाल, होमी जहांगीर भाभा हाल, कौटिल्य प्रथम, कौटिल्य द्वितीय हाल, सुभाष हाल एवं हबीबुल्लाह हाल के छात्रों के बीच जोरदार मुकाबला हुआ. इसमें महमूदाबाद हाल की टीम विजयी रही. छात्राओं की वालीबाल प्रतियोगिता के फाइनल में बीए एनएसी की छात्राओं ने कैलाश छात्रावास की छात्राओं को शिकस्त दी.

TOI PAGE 3

Cultural diversity, int'l flair mark LU convocation week

Convocation week saw students taking part in activities, including mehendi & rangoli competitions, along with dance performances

TIMES NEWS NETWORK

Lucknow: As part of the ongoing Convocation Week, Lucknow University celebrated cultural diversity and artistic talent by hosting an event in Malviya Hall on Wednesday.

The programme began with Saraswati Vandana by Rahul Chaudhary (singer), Soham Mishra (tabla) and Shravan Yadav (harmonium). Later, Gulshan Pandey captivated the audience with a heartfelt rendition of a Sanskrit geet.

The international flair of the event was highlighted by K Hwakn San, a student from Myanmar, who mesmerized audience with the traditional Burmese dance form. Students from Bangladesh presented a fusion of folk song and dance, titled 'Jari.'

Adding a regional touch, Hitesh Tyagi played the guitar, while Aditi Singh sang a Himachali song, 'Maaye ni Meriye'. Sachchidanand Singh, a final-year BTech student, replicated Swami Vivekananda's iconic Chicago address.

One of the standout moments of the evening was Kathak performance by Priyam Yadav. The event concluded with a soulful solo by Kartikeya Rastogi, who performed 'Piya Ghar Awenge,' a traditional folk song.

Mandavi Singh, vice-chancellor of Bhatkhande Sanskriti Vishwavidyalaya, was the chief guest. Manuka Khanna, Pro Vice Chancellor of Lucknow University, was the guest of honour. The convocation week witnessed several engaging activities, including mehendi and rangoli competitions and writing contests. The sports segment saw 137 students from various departments participating in kho kho and volleyball matches.

Meanwhile, the College of Arts Photographic Society hosted a one-day studio light workshop. Participants had the opportunity to learn from experts and practice various lighting setups, enhancing their technical skills.

JAGRAN CITY PAGE I

लवि का दीक्षा सप्ताह : सुर संगीत की बही बयार

कार्तिकेय के एकल गीत पेश किया तो प्रियम यादव ने शास्त्रीय नृत्य से माहौल को बदला

लखनऊ • लखनऊ विश्वविद्यालय के मालवीय सभागार में दीक्षा सप्ताह के उद्घाटन सत्र में गीत और संगीत की बयार बही। सरस्वती वंदना से राहुल चौधरी ने शुरुआत की। फिर गुलशन पांडे ने संस्कृत में गीत पेश किया। विदेशी छात्र खवान सान ने मायानमार नृत्य किया। कार्तिकेय के एकल गीत की दर्शकों ने खूब पसंद किया।

प्रियम यादव ने शास्त्रीय नृत्य से सभी मुग्ध कर दिया। अदिति सिंह ने भोजपुरी गीत से विदाई के दृश्य को रखा तो सभी भावविभोर हो गए। स्वामी विवेकानंद की वेशभूषा में सच्चिदानंद ने 1893 में इसी दिन शिकागो में विश्व धर्म संसद में दिए गए स्वामीजी के भाषण को दोहराया. जिसमां आदर्श के अक्षय अवस्थी द्वारा शास्त्रीय गायन ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। मुख्य अतिथि भातखंडे संस्कृति विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. मांडवी सिंह ने छात्रों को पुरस्कृत किया।

लखनऊ विश्वविद्यालय में दीक्षांत के दूसरे दिन कार्यक्रम में छात्रों को पुरस्कृत करतीं कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय और प्रो. मधुरिमा प्रधान आदि। संवाद • जागरण

समाज के विकास के लिए युवाओं को किया प्रेरित

समाज कार्य विभाग में उन्मुखीकरण और दीक्षा सप्ताह के चौथे दिन कई ज्ञानवर्धक सत्र आयोजित किए गए। सत्रों में बलबीर सिंह ने स्टीट चिल्ड्रन के मुद्दों पर, संदीप खरे ने शहरी गरीबी और किशोरियों की समस्याओं और प्रो. मधुरिमा प्रधान ने युवाओं के मानसिक स्वास्थ्य के महत्व पर चर्चा की। विश्वविद्यालय के समान कार्य विभाग में उन्मुखीकरण और दीक्षा सप्ताह के चौथे दिन कई ज्ञानवर्धक सत्र आयोजित किए गए। सत्रों में बलबीर सिंह ने स्टीट चिल्ड्रन के मुद्दों पर, संदीप खरे ने शहरी गरीबी और किशोरियों की समस्याओं और प्रो. मधुरिमा प्रधान ने युवाओं व मानसिक स्वास्थ्य के महत्व पर चर्चा की।

दीक्षांत सप्ताह में गए भारतीय संस्कृति विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. मांडवी सिंह, प्रो. मधुरिमा प्रधान, संस्कृति निदेशक प्रो. अमित श्रीवास्तव व छात्रा

सिर्फ बाहरी उपलब्धियों का परिणाम नहीं है खुशी

जगरण संवाददाता, लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में दो दीक्षा सप्ताह में युवाओं को पूरे दिन सांस्कृतिक और खेलकूद गतिविधियों में व्यस्त रखा गया। इसमें अलग-अलग विभागों में व्याख्यान भी हुए। सत्यम विज्ञान विभाग में 'व्यक्ति मन' पर आयोजित सत्र में विशेषज्ञों ने खुशी को समझाया।

काइट हब फाउंडेशन के अध्यक्ष अलोक कुमार पांडे ने खुशी की जटिलताओं और उसके प्रभावों पर चर्चा करते हुए कहा कि खुशी केवल बाहरी उपलब्धियों के परिणाम नहीं है, बल्कि यह एक व्यक्तिगत जीवन जीने की समझ से संबंधित है। कार्यक्रम में डॉ. अमित मिश्रा और डॉ. अजय प्रताप की उपस्थिति रही। उधर, दार्शनशास्त्र विभाग में 'दर्शन और उदार शिक्षा' पर आयोजित व्याख्यान में पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो. राकेश चंद्रा ने भारत की शिक्षा व्यवस्था और स्वतंत्रता के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने मार्केट लोकतंत्र और नैतिक लोकतंत्र की तुलना पर भी प्रकाश डाला।

खुशी में दिखी लिंग की समानता : एलएडट इकोनॉमिक्स विभाग ने 'लिंग समानता विषय पर रंगोली प्रतियोगिता हुई। इसमें छात्र-छात्राओं ने समानीकरण और समानता को महत्व देने वाले विचारों के माध्यम से अपनी रचनात्मकता का प्रदर्शन किया। इसके माध्यम से सहयोगिक अभिव्यक्ति को बेहतरीन करते हुए

मेकिंग प्रतियोगिता में छात्रा प्रथम। • जागरण

छात्रावासों के बीच रोमांचक वॉलीबॉल खेल प्रतियोगिता

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय पी दीक्षांत समारोह खेल महोत्सव सप्ताह के दूसरे दिन विवि के ऐतिहासिक शिवाजी ग्राउंड में विवि के छात्रावासों के बीच बहुत ही रोमांचक वॉलीबॉल खेल प्रतियोगिता कई टीमों के बीच आयोजित हुई। लविवि के क्रीड़ा परिषद के महासचिव प्रो. मिलुप्त टीम नरायण पांडे ने बताया कि बुधवार को 150 से अधिक विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। मुख्य रूप से महमूदबाद हाल, होमी जहांगीर भाभा हाल, कौटिल्य प्रथम एवं कौटिल्य द्वितीय हॉल, सुभाष हॉल एवं हबीबुल्लाह हाल के छात्रों के बीच में जोरदार प्रदर्शन हुआ। वॉलीबॉल पुरुष टीम का फाइनल मैच कौटिल्य हॉल और महमूदाबाद हॉल के बीच खेला गया। जिसमें महमूदाबाद हॉल को विजयी घोषित किया गया। दूसरी ओर छात्राओं की वॉलीबॉल प्रतियोगिता में बीए (एनईपी),बीरबल साहनी हाल के विदेशी मूल छात्राओं एवं कैलाश हाल के छात्राओं के बीच में मुकाबला हुआ। फाइनल मुकाबला बीए एनईपी एवं कैलाश छात्रावास की छात्राओं के बीच हुआ। जिसमें बीए एनईपी की छात्राएं विजय घोषित हुई। इन खेल प्रतियोगिताओं को आयोजन करने में लविवि एथलेटिक एसोसिएशन के चेयरमैन प्रो.आर.बी.सिंह, महासचिव प्रो.अजय कुमार आर्य एवं फिजिकल एजुकेशन के प्रो.मोहम्मद ताकिक अनवर एवं तमाम शारीरिक अध्ययन विभाग के शिक्षकों और कोच के प्रयास एवं मार्गदर्शन में शानदार प्रदर्शन किया गया। एथलेटिक्स विभाग के सभी कर्मचारियों ने पूरे समर्पण के साथ इस खेल महोत्सव को सफल बनाने में जी जान से काम किया। उक्त आयोजन विकास पुरुष और विश्वविद्यालय को शिक्षा के क्षेत्र में एक नया कीर्तिमान स्थापित करने वाले कुलपति प्रो.आलोक कुमार राय के कुशल दिशानिर्देश और नेतृत्व में सम्पन्न हुआ।

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय पी दीक्षांत समारोह खेल महोत्सव सप्ताह के दूसरे दिन विवि के ऐतिहासिक शिवाजी ग्राउंड में वॉलीबॉल खेल प्रतियोगिता में छात्रावासों के बीच रोमांचक मुकाबला हुआ।

सामाजिक, सांस्कृतिक विकास से छात्रों का चहुंमुखी विकास सम्भव

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के दर्शनशास्त्र विभाग की तरफ से विशेष व्याख्यान की शृंखला में एक व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान की संयोजक विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ.रजनी श्रीवास्तव रहीं और पैनल कुलपति प्रो.आलोक कुमार राय रहे। उक्त व्याख्यान विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो.राकेश चंद्रा द्वारा प्रस्तुत किया गया। जिसका विषय फिलॉसफी एंड लिबरल एजुकेशन>> था। उन्होंने अपने व्याख्यान का प्रारंभ भारत की शिक्षा व्यवस्था में दर्शनशास्त्र एवं लोकतंत्र के महत्व को स्थापित करने के साथ किया। उन्होंने अपने व्याख्यान में इस बात को भी सम्मलित किया कि विश्व की व्यवस्था में किस प्रकार से मार्केट लोकतंत्र एवं नैतिक लोकतंत्र किस प्रकार का महत्व निभा रहे हैं। लोकतंत्र एवं अन्य राजनीतिक विचारधाराएं शिक्षा व्यवस्था को प्रभावित करती हैं उनकी भी चर्चा की। भारत की शिक्षा व्यवस्था में दर्शन शास्त्र के गिरते हुए महत्व एवं इसको प्रोत्साहित करने के लिए कौन से और नए प्रयास किए जा सकते हैं उनकी भी चर्चा की। शिक्षा व्यवस्था में राष्ट्रवाद एवं मात्र भाषा की अनिवार्यता को बढ़ाना चाहिए और छात्रों को सामाजिक एवं सांस्कृतिक शिक्षा भी प्रदान करनी चाहिए जिससे की उनका चहुमुखी विकास हो सके।

महमूदाबाद छात्रावास विजयी

हॉल, कौटिल्य प्रथम एवं कौटिल्य द्वितीय हॉल, सुभाष हॉल एवं हबीबुल्लाह हाल के छात्रों के बीच में जोरदार प्रदर्शन हुआ। वॉलीबॉल पुरुष टीम का फाइनल मैच कौटिल्य हॉल और महमूदाबाद हॉल के बीच खेला गया। जिसमें महमूदाबाद हॉल को विजयी घोषित किया गया। दूसरी ओर छात्राओं की वॉलीबॉल प्रतियोगिताएं में बीए (एनईपी),बीरबल साहनी हाल के विदेशी मूल छात्राओं एवं कैलाश हाल के छात्राओं के बीच में मुकाबला हुआ। फाइनल मुकाबला बीए एनईपी एवं कैलाश छात्रावास की छात्राओं के बीच हुआ। जिसमें बीए एनईपी की छात्राएं विजय घोषित हुई। इन खेल प्रतियोगिताओं को आयोजन करने में लविवि एथलेटिक एसोसिएशन के चेयरमैन प्रो.आर.बी.सिंह, महासचिव प्रो.अजय कुमार आर्य एवं फिजिकल एजुकेशन के प्रो.मोहम्मद ताकिक अनवर एवं तमाम शारीरिक अध्ययन विभाग के शिक्षकों और कोच के प्रयास एवं मार्गदर्शन में शानदार प्रदर्शन किया गया। एथलेटिक्स विभाग के सभी कर्मचारियों ने पूरे समर्पण के साथ इस खेल महोत्सव को सफल बनाने में जी जान से काम किया। उक्त आयोजन विकास पुरुष और विश्वविद्यालय को शिक्षा के क्षेत्र में एक नया कीर्तिमान स्थापित करने वाले कुलपति प्रो.आलोक कुमार राय के कुशल दिशानिर्देश और नेतृत्व में सम्पन्न हुआ।

SWATANTRA BHARAT PAGE 2

लविवि का अतीत गौरवशाली, वर्तमान व भविष्य आशाजनक : प्रो. मांडवी

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के 67वें दीक्षांत समारोह का उद्घाटन सत्र मालवीय सभागार में आयोजित किया गया। इस अवसर पर भातखंडे संस्कृति विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो.मांडवी सिंह का स्वागत प्रो.मनुका खन्ना विवि ने किया। मुख्य अतिथि प्रो.मांडवी सिंह का स्वागत प्रो.मनुका खन्ना ने किया। संस्कृति के विद्यार्थियों द्वारा विधि का कुलगीत प्रस्तुत किया गया। मुख्य अतिथि ने अपने संबोधन में लविवि के विद्यार्थियों की एक ऐसे संस्थान से जुड़े होने पर बधाई दी, जिसका अतीत गौरवशाली रहा है और वर्तमान और भविष्य आशाजनक है प्रो.मनुका खन्ना ने अपने संबोधन में कुलपति प्रो.आलोक कुमार राय और विधि प्रशासन की ओर से बधाई दी। उन्होंने छात्रों से कला और संस्कृति में रुचि लेने, अपने ज्ञान को विकसित करने और आनंद लेने का आह्वान किया। राहुल चौधरी ने सरस्वती वंदना प्रस्तुत की। गुलशन पांडे ने संस्कृत भाषा में दीक्षा एक गीत प्रस्तुत किया। विधि के विदेशी छात्रों ने भी एक खवान सान ने मायानमार नृत्य की झलक पेश की। कार्तिकेय द्वारा गाए गए एकल गीत ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। प्रियम यादव ने शास्त्रीय नृत्य प्रस्तुत किया। हितेश के साथ गिटार पर अदिति सिंह ने पहाड़ी लोकगीत गाया। विदाई के अवसर पर पारंपरिक रूप से गाए गए अदिति सिंह के भोजपुरी गीत ने दर्शकों के बीच भावपूर्ण उत्सास की लहर दौड़ा दी। स्वामी विवेकानंद की वेशभूषा में सच्चिदानंद ने 1893 में इसी दिन शिकागो में विश्व धर्म संसद में दिए गए स्वामी विवेकानंद के भाषण को दोहराया। जिसमां आदर्श के अक्षय अवस्थी द्वारा शास्त्रीय गायन ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। उनके साथ तबले पर सोहम मिश्रा और हारमोनियम पर श्रवण यादव ने संगत की। मुख्य अतिथि प्रो.मांडवी सिंह ने हर युवा कलाकारों को सम्मानित किया।

वर्तमान और भविष्य आशाजनक है प्रो.मनुका खन्ना ने अपने संबोधन में कुलपति प्रो.आलोक कुमार राय और विधि प्रशासन की ओर से बधाई दी। उन्होंने छात्रों से कला और संस्कृति में रुचि लेने, अपने ज्ञान को विकसित करने और आनंद लेने का आह्वान किया। राहुल चौधरी ने सरस्वती वंदना प्रस्तुत की। गुलशन पांडे ने संस्कृत भाषा में दीक्षा एक गीत प्रस्तुत किया। विधि के विदेशी छात्रों ने भी एक खवान सान ने मायानमार नृत्य की झलक पेश किया। हितेश के साथ गिटार पर अदिति सिंह ने पहाड़ी लोकगीत गाया। विदाई के अवसर पर पारंपरिक रूप से गाए गए अदिति सिंह के भोजपुरी गीत ने दर्शकों के बीच भावपूर्ण उत्सास की लहर दौड़ा दी। स्वामी विवेकानंद की वेशभूषा में सच्चिदानंद ने 1893 में इसी दिन शिकागो में विश्व धर्म संसद में दिए गए स्वामी विवेकानंद के भाषण को दोहराया। जिसमां आदर्श के अक्षय अवस्थी द्वारा शास्त्रीय गायन ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। उनके साथ तबले पर सोहम मिश्रा और हारमोनियम पर श्रवण यादव ने संगत की। मुख्य अतिथि प्रो.मांडवी सिंह ने हर युवा कलाकारों को सम्मानित किया।

विधि छात्रों के जीवन में मूट कोर्ट का अहम स्थान

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय मूट कोर्ट एसोसिएशन ने नए शैक्षणिक सत्र की शुरुआत ओरिएंटेशन प्रोग्राम के साथ की। विभागाध्यक्ष प्रो. बंशीधर सिंह ने कहा कि मूट कोर्ट विधि छात्र के जीवन में एक अहम स्थान रखती है। उन्होंने छात्रों को मूटिंग के अवसरों का पूर्ण लाभ उठाने की सलाह दी। इसे सफल कानूनी करियर के लिए आवश्यक ठोस नींव बताया। प्रो. आरके सिंह समेत अन्य उपस्थित रहे।

VOICE OF LUCKNOW PAGE 6

कला को अपने जीवन का हिस्सा बनायें : मांडवी सिंह

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के 67वें दीक्षांत समारोह का उद्घाटन सत्र बुधवार को मालवीय सभागार में आयोजित किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि भातखंडे संस्कृति विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. मांडवी सिंह थीं। लखनऊ विश्वविद्यालय की प्राक्तिकुलपति प्रो. मनुका खन्ना मुख्य अतिथि थीं।

मुख्य अतिथि प्रो. मांडवी सिंह का स्वागत प्रो. मनुका खन्ना ने किया। प्रतिकुलपति प्रो. मनुका खन्ना का स्वागत संस्कृति विभाग की विदेशी छात्रा डा. अंगल श्वेसाव ने किया। मुख्य अतिथि ने अपने संबोधन में विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को एक ऐसे संस्थान से जुड़े होनेपर बधाई दी जिसका अतीत गौरवशाली है और वर्तमान और भविष्य उज्ज्वल है। उन्होंने कला को अपने जीवन का हिस्सा बनाने का आह्वान किया, न कि एक पेशेवर के रूप में बल्कि कला के पारखी के रूप में।

प्रतिकुलपति प्रो. मनुका खन्ना ने अपने संबोधन में कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय और विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से हार्दिक शुभकामनाएं और बधाई संदेश दी। उन्होंने विद्यार्थियों से कला और संस्कृति के बारे में अपने ज्ञान को विकसित करने, उसका आनंद लेने और उसका आनंद लेने का आह्वान किया। इसके बाद राहुल चौधरी ने सरस्वती वंदना प्रस्तुत की। गुलशन पांडे ने संस्कृत भाषा में रचित गीत प्रस्तुत किया। विश्वविद्यालय के विदेशी छात्रों में से एक खवान सान ने मायानमार नृत्य किया। उक्त व्यख्यान विभाग के प्रवक्ता डा. रत्नेश यादव द्वारा शास्त्री नृत्य प्रस्तुत किया गया। अदिति सिंह ने गिटार पर हितेश के साथ मिलकर पहाड़ी लोकगीत गाया। विदाई के अवसर पर पारंपरिक रूप से गाए गए अदिति सिंह के भोजपुरी गीत ने श्रोताओं में भावपूर्ण उत्सास की लहर श्रेड़ा दी। स्वामी विवेकानंद की वेशभूषा में सच्चिदानंद ने 1893 में इसी दिन शिकागो में विश्व धर्म संसद में दिए गए स्वामी जी के भाषण को दोहराया। जिसमां आदर्श के अक्षय अवस्थी द्वारा शास्त्रीय गायन की प्रस्तुति ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। उनके साथ तबले पर सोहम मिश्रा और हारमोनियम पर श्रवण यादव ने संगत की। मुख्य अतिथि प्रो. मांडवी सिंह ने इन युवा कलाकारों को सम्मानित किया।

भूविज्ञान विभाग के छात्रों ने दिखाया कौशल

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के भूविज्ञान विभाग में पूर्व-दीक्षांत सप्ताह के तहत कई शैक्षणिक और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए. मुख्य कार्यक्रमों में वाद-विवाद प्रतियोगिता और पोस्टर प्रस्तुति प्रतियोगिता, साथ ही प्रश्नोत्तरी और रंगोली प्रतियोगिता शामिल थीं।

वाद-विवाद प्रतियोगिता में नौ प्रतिभागियों ने भाग लिया और एक समसामयिक और विचारोत्तेजक विषय पर बहस की: रक्या अंतरिक्ष खनन पृथ्वी की संसाधन कमी का स्थायी समाधान है या अंतरिक्ष पर्यावरण के लिए खतरा? प्रतिभागियों ने अंतरिक्ष अन्वेषण, संसाधन निष्कर्षण, पर्यावरण नैतिकता और दीर्घकालिक विकास से संबंधित महत्वपूर्ण मुद्दों और पहलुओं पर गहन चर्चा की। उन्होंने अंतरिक्ष खनन से जुड़े संभावित लाभ और जोखिमों पर विस्तृत दृष्टिकोणों को स्पष्ट रूप से प्रस्तुत किया। डॉ. विनीत कुमार और डॉ. मनोज कुमार यादव द्वारा मूल्यांकित इस प्रतियोगिता में प्रतिभागियों के शोधपूर्ण तर्कों और प्रभावी प्रस्तुति की सराहना की गई। वह प्रतियोगिता छात्रों के लिए वैश्विक चुनौतियों पर बौद्धिक चर्चा का मंच प्रदान करने में सफल रही। पोस्टर प्रस्तुति प्रतियोगिता में छात्रोंने विभिन्न भूवैज्ञानिक और पर्यावरणीय विषयों पर अपने शोध और रचनात्मकता को प्रदर्शित किया। इसमें सूर्या त्रिपाठी और समूह (एमएससी सेमेस्टर तृतीय): रकट आउटक्रापमेट जोन- जलवायु संकट को कम करने के लिए कार्रवाई का आह्वान। माविया लुक्का और समूह (एमएससी सेमेस्टर तृतीय): ग्लोब- नवीनतम ज्ञान विस्फोटसे आने वाले बाढ़ के खतरों को उजागर करना। रश्मि श्रीवास्तव और समूह (एमएससी सेमेस्टर तृतीय): द फाइनल इम्पैक्ट: के/पी विलुप्ति का अनावरण-उस महाविनाशकारी घटना का विश्लेषण जिसने डायनासोरों के विलुप्त होने का कारण बना। जाकरखी वर्मा (बीएससी सेमेस्टर प्रथम) सतत विकास - ऐसे विकास की योजना करना जो वर्तमान की आवश्यकताओं को पूरा करे बिना भविष्य से समझौता किए।

HT PAGE 4

Folk songs to debates: LU kicks off convocation week

LUCKNOW: From the folk songs of Bihar and songs in Sanskrit to folk songs and dance of Myanmar and Bangladesh, it was a cultural showdown during the formal inaugural ceremony of convocation week of Lucknow University on Wednesday. The Malviya auditorium turned into a cultural bioscope with student-led performances.

The week-long cultural celebrations are organized by Sanskritiki – the cultural unit of the university, Lucknow University Athletic Association and various departments. Bhatkhande Sanskriti Vishwavidyalaya vice chancellor Mandavi Singh was the chief guest during the programme at Malviya auditorium.

Poetry recitation, Bhojpuri folk songs, Sanskrit songs, dance performances by both Indian and International students were part of the programme.

A debate competition on the topic - 'Is space mining a sustainable solution to Earth's resource scarcity or a threat to space environments?' -was organised in the geology department. A geological poster, a geological rangoli and geological quiz competitions were also organized.

A rangoli competition was also organized by Applied Economics department. HTC

A rangoli contest was organised as part of the celebrations. SOURCED

LOKSATYA PAGE 2

आर्ट्स कालेज में लगी फोटोग्राफ